# प्रेरण कार्यक्रम 2025

# शैक्षणिक यात्रा में आत्मचिंतन, आत्मविश्वास विनम्रता और जिज्ञासा बनाये रखें विद्यार्थी

आइआइएम रांची में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि को सम्मानित करते निदेशक और उपस्थित विद्यार्थी.

**रांची.** भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची में सोमवार से शैक्षणिक सत्र 2025 की शुरुआत हुई. स्वामी विवेकानंद सभागार में विद्यार्थियों का औपचारिक स्वागत किया गया. शैक्षणिक सत्र 2025-2027 में देश के विभिन्न राज्यों से 400 से अधिक विद्यार्थियों ने एमबीए, एमबीए-बीए, एमबीए-एचआर और पीएचडी प्रोग्राम के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी की. कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो दीपक कुमार

□ आइआइएम रांची में शैक्षणिक सत्र 2025 की हुई शुरुआत

श्रीवास्तव और डीन अकादमिक प्रो तनुश्री दत्ता ने की. इस अवसर पर मेजर जेनरल परमवीर सिंह डागर, वीएसएम बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए. मुख्य अतिथि मेजर जनरल डागर ने विद्यार्थियों को अनुशासन और लक्ष्य की महत्ता से प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि अनुशासन एक नियम नहीं, बल्कि आदत होनी चाहिए. विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक यात्रा में आत्मचिंतन, आत्म-विश्वास, विनम्रता और जिज्ञासा को बनाये रखें, इससे ज्ञान का संचार बना रहेगा. जिज्ञासा को शांत करने के लिए किताबों और शोध-पत्र से जुड़ें, जिससे ज्ञान को बल मिलेगा और प्रभावी सोच विकसित होगी. निदेशक ने विद्यार्थियों को अपनी योग्यता और दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी व समग्र शिक्षा हासिल करने पर जोर दिया.

Prabhat Khabar_17.05.2025_P. 5

# आइआइएम रांची का नया सत्र शुरू

- मेजर जनरल परमवीर सिंह ने छात्रों का बढ़ाया उत्साह
- स्वामी विवेकानंद सभागार में विद्यार्थियों का किया गया स्वागत

जागरण संवाददाता, रांची : भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची में 16 जून से शैक्षणिक सत्र 2025 की शुरुआत हुई। स्वामी विवेकानंद सभागार में विद्यार्थियों का औपचारिक स्वागत किया गया। शैक्षणिक सत्र 2025-2027 में देश के विभिन्न राज्यों से 400 से अधिक विद्यार्थियों ने एमबीए, एमबीए-बीए, एमबीए-एचआर और पीएचडी प्रोग्राम के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव और डीन अकादमिक प्रो. तनुश्री दत्ता ने की।

इस अवसर पर मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, वीएसएम बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन कर शैक्षणिक यात्रा को ज्ञान यात्रा के मार्ग पर आगे बढ़ाया गया। मुख्य अतिथि मेजर जनरल डागर ने विद्यार्थियों को अनुशासन और लक्ष्य की महत्ता से प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन एक नियम नहीं बल्कि आदत होनी चाहिए, जिससे लगातार प्रेरित होते रहने की आवश्यकता है। विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक यात्रा में आत्मचिंतन, आत्म-विश्वास, विनम्रता और जिज्ञासा को बनाए रखें, इससे ज्ञान का संचार बना रहेगा।

मुख्य अतिथि मेजर जनरल डागर का स्वागत करते आइआइएम के पदाधिकारी

Dainik Jagran_17.06.2025_P. 7